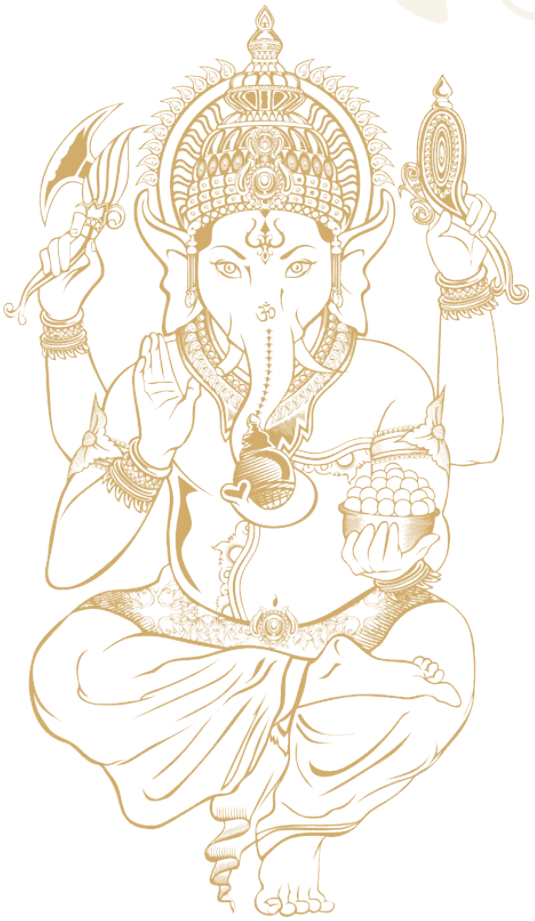

Atul

08 Jun 2002

07:15 AM

Hoshiarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120799203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/06/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	04:44:53 घटी
स्थान	**Hoshiarpur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:30:00 उत्तर
रेखांश	75:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:48:56 घंटे
वेलान्तर	00:01:02 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:03 घंटे
सूर्योदय	05:21:02 घंटे
सूर्यास्त	19:29:13 घंटे
दिनमान	14:08:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:13:40 वृष
लग्न के अंश	18:31:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:31:09	313:46:37	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	23:13:40	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	19:08:07	12:17:35	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	13:03:46	00:39:16	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध	व		वृष	07:28:47	00:02:29	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:07:55	00:12:26	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	28:08:43	01:10:50	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	वृष	24:23:12	00:07:48	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			वृष	23:58:22	00:00:08	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:58:22	00:00:08	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:56:20	00:00:15	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:55:22	00:00:47	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:21:59	00:01:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:29:14	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:10

लग्न-चलित

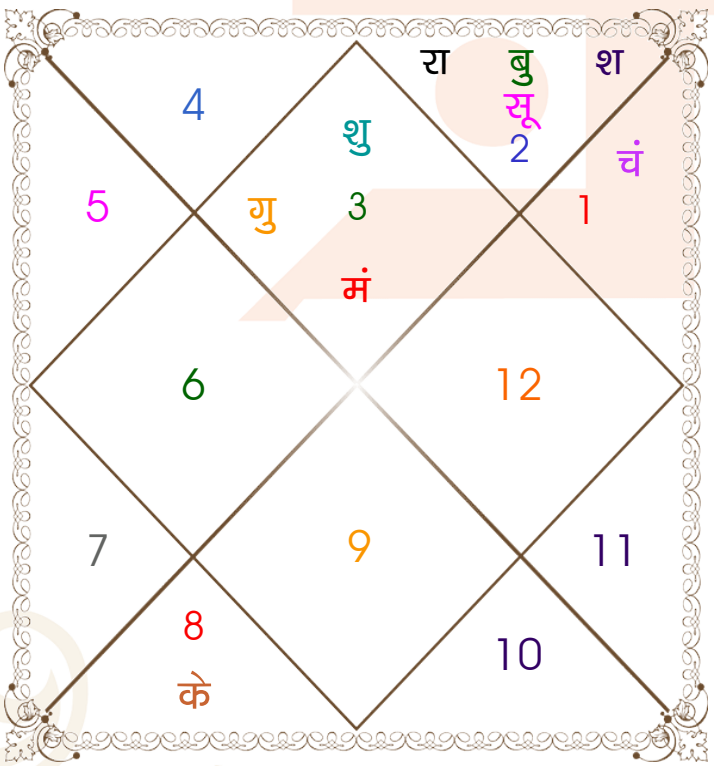

चन्द्र कुंडली

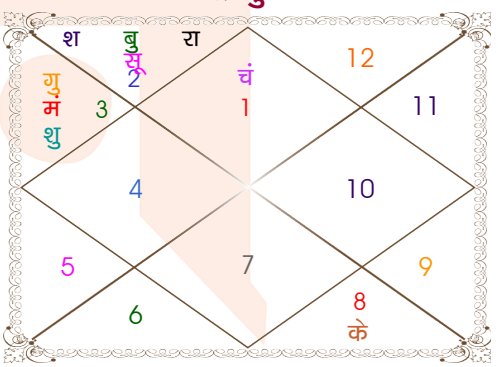

नवमांश कुंडली

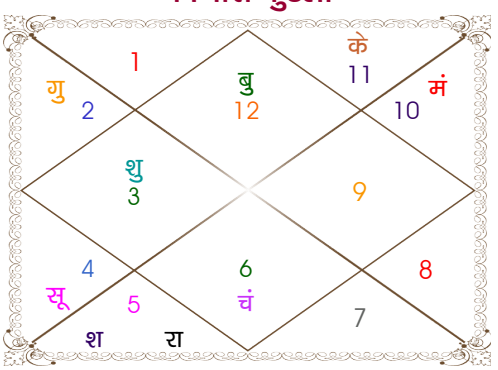

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 3 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/06/2002		24/09/2013		25/09/2019		24/09/2029		24/09/2036	
24/09/2013		25/09/2019		24/09/2029		24/09/2036		24/09/2054	
	00/00/0000	सूर्य	12/01/2014	चंद्र	25/07/2020	मंगल	20/02/2030	राहु	07/06/2039
	00/00/0000	चंद्र	13/07/2014	मंगल	23/02/2021	राहु	11/03/2031	गुरु	31/10/2041
	00/00/0000	मंगल	18/11/2014	राहु	25/08/2022	गुरु	15/02/2032	शनि	06/09/2044
	08/06/2002	राहु	13/10/2015	गुरु	25/12/2023	शनि	26/03/2033	बुध	26/03/2047
राहु	25/11/2003	गुरु	31/07/2016	शनि	25/07/2025	बुध	23/03/2034	केतु	13/04/2048
गुरु	26/07/2006	शनि	13/07/2017	बुध	25/12/2026	केतु	19/08/2034	शुक्र	13/04/2051
शनि	24/09/2009	बुध	20/05/2018	केतु	26/07/2027	शुक्र	19/10/2035	सूर्य	07/03/2052
बुध	25/07/2012	केतु	24/09/2018	शुक्र	26/03/2029	सूर्य	24/02/2036	चंद्र	06/09/2053
केतु	24/09/2013	शुक्र	25/09/2019	सूर्य	24/09/2029	चंद्र	24/09/2036	मंगल	24/09/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/09/2054		24/09/2070		24/09/2089		25/09/2106		25/09/2113	
24/09/2070		24/09/2089		25/09/2106		25/09/2113		00/00/0000	
गुरु	12/11/2056	शनि	27/09/2073	बुध	21/02/2092	केतु	22/02/2107	शुक्र	25/01/2117
शनि	26/05/2059	बुध	06/06/2076	केतु	17/02/2093	शुक्र	23/04/2108	सूर्य	25/01/2118
बुध	31/08/2061	केतु	16/07/2077	शुक्र	19/12/2095	सूर्य	28/08/2108	चंद्र	26/09/2119
केतु	07/08/2062	शुक्र	15/09/2080	सूर्य	24/10/2096	चंद्र	30/03/2109	मंगल	25/11/2120
शुक्र	07/04/2065	सूर्य	28/08/2081	चंद्र	26/03/2098	मंगल	26/08/2109	राहु	09/06/2122
सूर्य	24/01/2066	चंद्र	29/03/2083	मंगल	23/03/2099	राहु	13/09/2110		00/00/0000
चंद्र	26/05/2067	मंगल	07/05/2084	राहु	10/10/2101	गुरु	20/08/2111		00/00/0000
मंगल	01/05/2068	राहु	14/03/2087	गुरु	16/01/2104	शनि	28/09/2112		00/00/0000
राहु	24/09/2070	गुरु	24/09/2089	शनि	25/09/2106	बुध	25/09/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 3 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।